बी.बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम सत्र

1. प्रबन्ध के सिद्धान्त
2. व्यावसायिक सम्प्रेषण
3. वित्तीय लेखांकन
4. आर्थिक वातावरण

द्वितीय सत्र

1. व्यावसायिक सन्नियम
2. संगठनात्मक व्यवहार
3. सांख्यिकी के मूल तत्व
4. प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र

बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

1. संगणक के अनुप्रयोग
2. कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति
3. विपणन प्रबन्ध
4. मुद्रा एवं बैंकिंग

चतुर्थ सत्र

1. मानव संसाधन प्रबन्ध
2. वित्तीय प्रबन्ध
3. कम्पनी लेखा
4. उत्पादन प्रबन्ध

बी.बी.ए. तृतीय वर्ष

पंचम् सत्र

1. ई-वाणिज्य
2. लागत एवं प्रबन्धकीय लेखांकन
3. व्यावसायिक कराधान
4. विक्रय कला एवं विक्रय प्रबन्ध

षष्ठ सत्र

1. उद्यामिता के मूल आधार
2. बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार
3. रिटेल प्रबन्ध
4. ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध

बी.बी.ए. पाठ्य-विवरण

प्रथम सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : प्रबन्ध के सिद्धान्त

इकाई - 01

प्रबन्ध : अवधारणा, प्रकृति, सिद्धान्त प्रबन्ध प्रक्रिया, महत्व, प्रबन्धकीय कार्यो की सार्वभौमिकता, प्रबन्धक की भूमिका एवं दायित्व, प्रबन्ध के स्तर,
प्रबन्ध विचारधारा का विकास

इकाई - 02

नियोजन : अवधारणा, महत्व, योजना के प्रकार, नियोजन प्रक्रिया, सीमाएं
पूर्वानुमान : आवश्यकता एवं तकनीकें
निर्णयन : निर्णयन प्रक्रिया, निर्णयन के सिद्धान्त, समूह निर्णयन
उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध

इकाई - 03

संगठन : अवधारणा, महत्व, संगठन ढँाचा, संगठन के सिद्धान्त, प्रबन्ध का विस्तार
अधिकार एवं सत्ता, अधिकारों का प्रत्यायोजन, केन्द्रीयकरण एवं विकेन्द्रीकरण, विभागीयकरण, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन
उतरदायित्व एवं जवाबदेही

इकाई - 04

निर्देशन एवं पर्यवेक्षण
समन्वय : अर्थ, महत्व, सिद्धान्त, तकनीकें
नियंत्रण : अर्थ, प्रक्रिया, तकनीकें, प्रभावशाली नियंत्रण की पूर्व आवश्यकताए

प्रथम सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : व्यावसायिक सम्प्रेषण

इकाई - 01

सम्प्रेषण : अवधारणा, प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धान्त प्रकार, कार्य, सम्प्रेषण प्रक्रिया, श्रवण कौशल, सम्प्रेषण माध्यम, औपचारिक एवं अनौपचारिक सम्प्रेषण, अधोगामी सम्प्रेषण, ऊर्ध्वगामी सम्प्रेषण, समानान्तर सम्प्रेषण, प्रभावी सम्प्रेषण के आवश्यक तत्व, सम्प्रेषण की सीमाएं

इकाई - 02

सम्प्रेषण की बाधाएं, सम्प्रेषण की बाधाओं को दूर करने के उपचार, मौखिक सम्प्रेषण, प्रभावी मौखिक सम्प्रेषण, मौखिक सम्प्रेषण की विधियां, प्रस्तुतीकरण कौशल,
लिखित सम्प्रेषण के आवश्यक तत्व, प्रभावशाली पत्र की पूर्व आवश्यकताएं
साक्षात्कार कौशल, साक्षात्कार प्रक्रिया, सफल साक्षात्कार की पूर्व आवश्यकताएं

इकाई - 03

सभाएं : सूचना-पत्र, कार्यसूची (Agenda), कार्यवृत्त (Minutes), प्रस्ताव (Resolution), प्रतिवेदन लेखन
फीड बैक, प्रभावशाली फीड बैक, फीड बैक का महत्व

इकाई - 04

व्यावसायिक पत्राचार : प्रकृति, व्यावसायिक पत्रों का अभिविन्यास, व्यावसायिक सम्प्रेषण नियोजन, विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक पत्र, निविदाएं एवं आदेश, विक्रय पत्र, साख पत्र, संग्राहक पत्र, समायोजन पत्र, नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र, संभावित विक्रय हेतु पत्रों का जवाब दावे सम्बन्धी पत्र, ग्राहकों के शिकायती पत्रों का निपटारा, वर्गीकृत विज्ञापन तैयार करना, प्रत्यक्ष मेल, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, ई-मेल

प्रथम सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : वित्तीय लेखांकन

इकाई - 01

लेखांकन : अर्थ, आवश्यकता, विकास, बहीखाता एवं लेखांकन, लेखांकन की अवधारणा, लेखांकन के सिद्धान्त, जर्नल प्रविष्टियां एवं दोहरा लेखा पद्धति, खााता बही एवं खाता बही में खतौनी (Ledger and Ledger Posting)

इकाई - 02

सहायक पुस्तकों में प्रविष्टियां, समायोजन प्रविष्टियां, तलपट तैयार करना
अंतिम खाते तैयार करना

इकाई - 03

शाखा एवं विभागीय खाते : स्वतंत्र एवं निर्भर (Independent and Dependent) शाखाओं के खाते (विदेशी शाखा सहित)
साझेदारी खाते : समायोजन, साझेदारी फर्म का पुनर्गठन, साझेदार का प्रवेश, साझेदार की सेवानिवृत्ति, साझेदार की मृत्यु

इकाई - 04

साझेदारी खाते : साझेदारी फर्म का समापन, फर्म के समापन की विधियां, साझेदारों का दिवालिया होना
साझेदारी फर्म का विलयन : फर्म से कम्पनी को विक्रय, सम्पतियों का क्रमशः वसूलीकरण (Realization) एवं नकद का खण्डशः (Piecemeal) वितरण

<u>प्रथम सत्र</u>

<u>चतुर्थ प्रश्न-पत्र : आर्थिक वातावरण</u>
<u>Economic Environment</u>

इकाई - 01

भारतीय आर्थिक वातावरण : अवधारणा, संघटक, महत्व,
आर्थिक प्रवृतियां : विनियोग, आय, बचत, आर्थिक नियोजन,
ग्यारहवी पंच वर्षीय योजना : उद्देश्य एवं प्रगति, गत पंच वर्षीय योजनाओं के मुख्य बिन्दु

इकाई - 02

जनसंख्या सम्बन्धी समस्याएं : बेरोजगारी, गरीबी, क्षेत्रीय अंसतुलन, समानान्तर अर्थव्यवस्था, भुगतान संतुलन
आर्थिक नीतियां : मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, आयात-निर्यात नीति, विदेशी विनियोग नीति

इकाई - 03

औद्योगिक विकास एवं औद्योगिक नीति, औद्योगिक बीमारी (Industrial Sickness), आर्थिक पुनर्रचना, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण, लघु, कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग

इकाई - 04

अन्तरराष्ट्रीय आर्थिक वातावरण, भारत एवं विश्व अर्थव्यवस्था, विकासशील राष्ट्रों की समस्याएं, भारत में विदेशी विनियोग,
अन्तरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थान : विश्व व्यापार संगठन, अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक.

बी.बी.ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय सत्र

1. व्यावसायिक सन्नियम
2. संगठनात्मक व्यवहार
3. सांख्यिकी के मूलतत्व
4. प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र

बी.बी.ए. पाठ्य-विवरण

द्वितीय सत्र

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र

इकाई - 01

प्रबन्धकीय अर्थशास्त्र का परिचय : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, व्यावसायिक विश्लेषण हेतु प्रयुक्त आर्थिक सिद्धान्त,
उपभोक्ता व्यवहार : उपयोगिता विश्लेषण, उपयोगिता ह्रास नियम, सम-सीमान्त उपयोगिता नियम, उपभोक्ता की बचत

इकाई - 02

मांग का नियम : मांग की लोच, मांग का पूर्वानुमान, मांग के पूर्वानुमान की विधियां, मांग पूर्वानुमान पर आय व मूल्य का प्रभाव
उदासीनता वक्र विश्लेषण

इकाई - 03

उत्पादन एवं लागत : उत्पादन कार्य, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम, प्रत्याय का सिद्धान्त (Law of Returns), लागत विश्लेषण, स्थिर लागत, परिवर्तनशील लागत, अवसर लागत, सम-विच्छेद विश्लेषण (Break-even Analysis), आगम विश्लेषण (Revenue Analysis)

इकाई - 04

बाजार ढाँचा (Market Structures) : पूर्ण प्रतियोगिता में मूल्य एवं मात्रा निर्धारण, एकाधिकार, मूल्य विभेद (Price Discrimination), एकाधिकारात्मक एवं अल्पाधिकार (Oligopoly) में मूल्य निर्धारण

द्वितीय सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : सांख्यिकी के मूलतत्व

इकाई - 01

सांख्यिकी : अर्थ, क्षेत्र, सीमाएं, आंकड़ों का संग्रहण, सांख्यिकीय अन्वेषण की विधियां
वर्गीकरण एवं तालीकाकरण (Classification and Tabulation), केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन (Measures of Central Tendency)- माध्य (Mean), मध्यमिका (Median), भूयिष्ठक (Mode), ज्यामितीय माध्य (Geometric Mean), हरात्मक माध्य (Harmonic Mean), भारित औसत (Weighted Averages)

इकाई - 02

अपकिरण का मापन (Measures of Dispersion), निरपेक्ष एवं सापेक्ष अपकिरण का मापन, विस्तार (Range), चतुर्थांक विचलन (Quartile Deviation), माध्य विचलन (Mean Deviation), प्रमाप विचलन एवं गुणांक (Standard Deviation and Coefficient)
विषमता (Skewness), विषमता की जांच - निरपेक्ष एवं सापेक्ष, महत्व

इकाई - 03

सहसम्बध : अर्थ, महत्व, सहसम्बन्ध ग्राफ, कॉर्ल प्रियर्सन का सहसम्बन्ध गुणांक, समवर्ती (Concurrent) विचलन का गुणांक, श्रेणी (Rank) सहसम्बन्ध, प्रतिगमन विश्लेषण (Regression Analysis),
निर्देशांक (Index Number) : अर्थ, मदों का चयन, आधार वर्ष, औसत, भारित स्थिर आधार, श्रृखंला आधार

इकाई - 04

आन्तरगणन एवं बाह्यगणन : आवश्यकता एवं मान्यताएं, आन्तरगणन की विभिन्न विधियां- बॉयनामियल (Binomial), न्यूटन की विधि (Newton's Method), लैग्रैंज विधि (Lagrange Method),
व्यावसायिक पूर्वानुमान : अर्थ, महत्व व तकनीकें

द्वितीय सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : व्यावसायिक सन्नियम
(Business Laws)

इकाई - 01

भारतीय अनुबन्ध अधिनियम 1872 (धारा 1 से धारा 75) (Indian Contract Act, 1872 from section 1 to 75) : अनुबन्ध का अर्थ, वैद्य अनुबन्ध के लक्षण, प्रस्ताव एवं स्वीकृति, अनुबन्ध करने की क्षमता, स्वतंत्र सहमति, वैधानिक प्रतिफल एवं उद्देश्य, व्यर्थ एवं व्यर्थनीय अनुबन्ध, अर्द्ध अनुबन्ध, सांयोगिक अनुबन्ध, अनुबन्ध का निष्पादन, अनुबन्ध की समाप्ति, अनुबन्ध का खण्डन, अनुबन्ध खण्डन के उपचार

इकाई - 02

विशिष्ठ अनुबन्ध : हानिरक्षा अनुबन्ध, गांरटी के अनुबन्ध, निक्षेप एवं गिरवी, एजेन्सी

इकाई - 03

माल विक्रय अधिनियम - 1930 (Sale of Goods Act-1930) : विक्रय एवं विक्री का ठहराव, माल के विक्रय के अनुबन्ध के आवश्यक लक्षण, शर्त एवं आश्वासन, अनुबन्ध का निष्पादन, स्वामित्व का हस्तान्तरण, स्वत्व का हस्तान्तरण (Transfer of Title), अदत विक्रेता (Unpaid Seller) के अधिकार, निलामी द्वारा विक्रय

इकाई - 04

भारतीय साझेदारी अधिनियम - 1932 : साझेदारी का अर्थ, साझेदारी का निर्माण, अवयस्क साझेदार, साझेदारों के आपसी सम्बन्ध, साझेदारी एवं फर्म का समापन
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 1986 : सामान्य परिचय, जिला, राज्य एवं केन्द्रीय स्तरीय फॉरम का गठन, उनके कार्य एवं अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण परिषदें, उपभोक्ता के अधिकार

द्वितीय सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : संगठनात्मक व्यवहार

इकाई - 01

संगठन : संगठन के सिद्धान्त, संगठनात्मक व्यवहार की अवधारणा, प्रकृति एवं निर्धारक तत्व, मानव व्यवहार समझने की प्रक्रिया, मनोवृत्ति (Attitude) मूल्य (Values) अवबोधन (Perception)
व्यक्तित्व (Personality), व्यक्तित्व के सिद्धान्त, सीखना (Learning)

इकाई - 02

समूह : अर्थ, अन्तरसमूह सम्बन्ध, औपचारिक व अनौपचारिक समूह, समूह गतीशीलता (Group Dynamics), समूह साहचर्यता (Group Cohesiveness), टीम प्रबन्ध (Team Management), टीम विकास
कार्य संतुष्टि, कार्य संतुष्टि का मापन, कार्य संतुष्टि के निर्धारक तत्व, कार्य अभिकल्पना

इकाई - 03

अभिप्रेरण : अर्थ, प्रकार, अभिप्रेरण के सिद्धान्त
नेतृत्व : अर्थ, नेतृत्व प्रक्रिया, नेतृत्व के सिद्धान्त, नेतृत्व की शैलियां,
संगठनात्मक संस्कृति : प्रकृति, कार्य, संगठनात्मक विकास

इकाई - 04

संघर्ष प्रबन्ध : प्रकृति, प्रकार संघर्ष के कारण, संघर्ष को दूर करने की तकनीकें
परिवर्तन का प्रबन्ध : परिवर्तन के कारक, परिवर्तन का विरोध, नियोजित परिवर्तन
कार्य दबाव

बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र

1. संगणक के अनुप्रयोग
2. कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति
3. विपणन प्रबन्ध
4. मुद्रा एवं बैंकिंग

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय-सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : संगणक के अनुप्रयोग

इकाई - 01

सूचना (Information) : अवधारणा, आंकड़ा (Data), सूचना एवं ज्ञान (Knowledge), सूचना की आवश्यकता, सूचना का महत्व, सूचना का स्तर, सूचना एवं प्रबन्ध
कम्प्यूटर : अवधारणा, परिचय, कम्प्यूटर का इतिहास, लाभ, सीमाएँ, कम्प्यूटर की पीढ़ियाँ, कम्प्यूटर की मूल संरचना, वर्गीकरण, इनपुट उपकरण, आउटपुट उपकरण, स्मृति, कम्प्यूटर की भाषाएँ।

इकाई - 02

कम्प्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम : उद्धेश्य, कार्य, महत्व, प्रकार, विकास
माइक्रो सॉफ्ट विण्डोज़ : परिचय, विभिन्न वर्जन्स, लाभ, विन्डोज-95, 98, एक्स.पी., विन्डोज-2000
कम्प्यूटर के अनुप्रयोग क्षेत्र : शिक्षा, चिकित्सा, बैंक, बीमा, अभियांत्रिकी अभिकल्पना, भण्डारण, विक्रय अभिलेख, दूर संचार, अंतरिक्ष विज्ञान व मौसम सम्बन्धी जानकारी।

इकाई - 03

वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर : परिचय, एम.एस.वर्ड (MS Word) - परिचय, वर्ड प्रोसेसिंग एवं वर्ड प्रोसेसर, एम.एस.वर्ड की स्क्रीन व अवभव, अनुप्रयोग विंडो के अवयव (Elements of Application Window) , डाक्यूमेंट विंडो के अवयव (Elements of Document Window), एम.एस.वर्ड में कार्य करना, फाइल सुरक्षित करना, छापना, फाइल खोलना, कॉपी एवं मूव (Copy and Move)
एम.एस.एक्सेल (MS-Excel) : परिचय, स्प्रेडशीट, वर्क बुक, वर्कबुक एवं वर्कशीट, फाइल खोलना, सुरक्षित रखना, आंकड़ो का फोर्मेट करना, कॉपी करना।

इकाई - 04

माइक्रो सॉफ्ट पॉवर पॉइन्ट : परिचय, विशेषताएँ, पॉवर पॉइन्ट इंस्टॉल करना, प्रारम्भ करना, स्क्रीन के मुख्य भाग, प्रस्तुतीकरण विंडो, विभिन्न व्यू, प्रस्तुतीकरण फाइल बन्द करना।
एम. एस. एक्सेस : परिचय, डाटाबेस के तत्व, प्रारम्भ करना, डाटा बेस विजार्ड, पैसेज व प्राजेक्ट्स पूर्व में स्थित डाटा बेस को खोलना, डाटा बेस विण्डो, डिजाईन व्यू, डाटा शीट व्यू, डाटा टाइप, विजार्ड द्वारा टेबल बनाना।

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय-सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति

इकाई - 01

भारतीय कम्पनी अधिनियम का संक्षिप्त इतिहास, कम्पनी की परिभाषा एवं प्रकृति, कम्पनियों का वर्गीकरण, कम्पनी निर्माण की प्रक्रिया, पार्षद सीमानियम (Memorandum of Association) पार्षद अन्तर्नियम (Articles of Association)

इकाई - 02

प्रविवरण (Prospectus) : अंश, अंश पूंजी, अंशों का आवंटन (Allotment of Shares) , सदस्यता अंशों का हस्तांतरण, नामांकन एवं हस्तांकन (Transfer, Nomination and Transmission of Shares) , ऋण पत्र (Debentures) , प्रभार एवं बन्धक (Charges and Mortgage) सार्वजनिक जमाएँ (Public Deposits)

इकाई - 03

कम्पनी का प्रबन्ध : संचालक (Director) एवं प्रबन्ध संचालक (Managing Director) , कम्पनी की जांच (Investigation of Company) , अन्याय एवं कुप्रबन्ध की रोकथाम (Prevention of Oppression and Mismanagement) कम्पनी का समापन (Winding up of Company)

इकाई - 04

कम्पनी सचिव , सचिवीय पद्धति, कम्पनी की सभाएँ : वैधानिक सभा (Statutory Meeting) वार्षिक साधारण सभा (Annual Gerneral Meeting) असाधारण सामान्य सभा (Extra-Ordinary General Meeting) , अन्य सभाएँ, सभाओं के सामान्य सिद्वान्त (General Principles of Meeting)

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय-सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : विपणन प्रबन्ध

इकाई - 01

विपणन प्रबन्ध : अवधारणा, कार्य, महत्व, विपणन प्रबन्ध बनाम विक्रय प्रबन्ध, विपणन वातावरण,
उपभोक्ता व्यवहार : अवधारणा, उपभोक्ता व्यवहार अध्ययन का महत्व, विपणन शोध : अर्थ, महत्व, प्रक्रिया।

इकाई - 02

विपणन मिश्र : विपणन मिश्र के घटक
उत्पाद : उत्पाद सम्बन्धी अवधारणाएँ, उत्पाद जीवन चक्र, उत्पाद नियोजन एवं विकास, ब्राण्ड, ट्रेडमार्क, पैकेजिंग एवं लैबलिंग
बाज़ार : बाज़ार विभक्तीकरण (Market Segmentation)
मूल्य निर्धारण : अर्थ, महत्व, मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले तत्व एवं मूल्य नीतियाँ

इकाई - 03

विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य, विज्ञापन के माध्यम, महत्व
विक्रय संवर्द्धन : अवधारणा एवं महत्व
व्यक्तिगत विक्रय : अर्थ, प्रभावित करने वाले तत्व, विक्रय प्रक्रिया, विक्रय पश्चात सेवाएँ, जन सम्पर्क (Public Relation)

इकाई - 04

भौतिक वितरण : संघटक एवं कार्य
वितरण के माध्यम : अवधारणा, महत्व, प्रकार, वितरण के माध्यम के चयन को प्रभावित करने वाले तत्व, वितरण नीतियाँ

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

तृतीय-सत्र

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : मुद्रा एवं बैंकिंग

इकाई - 01

मुद्रा : अर्थ, कार्य, महत्व, मुद्रा का वर्गीकरण (Paper Currency Standards) , मुद्रा आपूर्ति घटक एवं निर्धारक, मुद्रा का मापन, भारत में मुद्रा आपूर्ति, भारत में वर्तमान मौद्रिक पद्धति, प्लास्टिक मुद्रा (Plastic Money)

इकाई - 02

व्यापारिक बैंक : अर्थ, कार्य, महत्व, व्यापारिक बैंकों के प्रकार, बैंक संगठन, बैंकिंग परिचालन, बैंक के मुख्य दायित्व एवं सम्पतियाँ, साख सृजन प्रक्रिया, रिटेल बैंकिंग

इकाई - 03

बैंकिंग नियामक अधिनियम 1949 : भारत में वाणिज्यिक बैंकिंग पद्धति का ढांचा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंकिंग

इकाई - 04

भारतीय स्टेट बैंक : उद्देश्य, कार्य, ढाचा, संगठन, कार्य-प्रणाली एवं प्रगति, केन्द्रीय बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक : उद्धेश्य, संगठन, कार्य एवं कार्य-प्रणाली नाबार्ड (NABARD)

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ सत्र

1. मानव संसाधन प्रबन्ध
2. वित्तीय प्रबन्ध
3. कम्पनी लेखा
4. उत्पादन प्रबन्ध

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ-सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : मानव संसाधन प्रबन्ध

इकाई - 01

मानव संसाधन प्रबन्ध : अवधारणा, महत्व, कार्य, सेवीवर्गीय प्रबन्ध बनाम मानव संसधान प्रबन्ध, मानव संसाधन संगठन, भारत में मानव संसाधन प्रबन्ध, सेवीवर्गीय नीतियाँ

इकाई - 02

मानव संसाधन नियोजन : अर्थ, उद्धेश्य एवं महत्व, प्रक्रिया, कार्य विश्लेषण (Job Analysis) , कार्य विवरण (Job Description) , कार्य विशिष्ठीकरण (Job Specification) , वृत्ति नियोजन (Career Planning) , भर्ती (Recruitment) , चयन (Selection) , कार्य पर नियुक्ति (Placement)

इकाई - 03

प्रशिक्षण एवं विकास (Training and Development) : उद्धेश्य , विधियाँ, प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम का मूल्यांकन, क्षतिपूरण प्रबन्ध (Compensation Management) : कार्य मूल्यांकन तकनीकें, क्षतिपूरण की विधियाँ, प्रेरणाएँ (Incentives) एवं अनुषंगी लाभ (Fringe Benefits) ।

इकाई - 04

निष्पादन मूल्यांकन : अवधारणा, उद्धेश्य एवं तकनीकें, कार्य परिवर्तन, स्थानान्तरण, पदोन्नति, पदावनति, परिवेदना (Grievance) एवं परिवेदना निवारण, अनुशासन, औद्योगिक सम्बन्ध एवं श्रम संघ, औद्योगिक प्रजातन्त्र

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ-सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : वित्तीय प्रबन्ध

इकाई - 01

वित्तीय प्रबन्ध : अवधारणा, उद्धेश्य, वित्तीय प्रबन्धक के कार्य, वित्त कार्य : अवधारणा एवं उपागम, पूंजीकरण, पूंजी ढाँचा, पूंजी ढाँचा नियोजन, सुदृढ़ पूंजी ढाँचा के आवश्यक लक्षण

इकाई - 02

पूंजी बजटिंग : विनियोग निर्णयों की प्रकृति, विनियोग मूल्यांकन, पेबैक अवधि, प्रत्याय की लेखांकन दर, शुद्ध वर्तमान मूल्य (Net Present Value) , प्रत्याय की आन्तरिक दर, लाभदेयता निर्देशांक, पूंजी की लागत, दीर्घकालीन व अल्पकालीन वित्त के स्त्रोत

इकाई - 03

कार्यशील पूंजी प्रबन्ध : अवधारणा, परिचालन चक्र, कार्यशील पूंजी को प्रभावित करने वाले तत्व, कार्यशील पूंजी के कार्य एवं घटक, कार्यशील पूंजी सम्बन्धि अनुपात, कार्यशील पूंजी का अनुमान, नकद प्रबन्ध

इकाई - 04

लाभांश नीति : अर्थ, सुदृढ़ लाभांश नीति की पूर्वआवश्यकताएँ, लाभांश के प्रारूप एवं निर्धारक तत्व, वाल्टर मॉडल (Walter Model) , गोरडॉन मॉडल (Gordon's Model) , एम.एम. परिकल्पना (M.M. Hypothesis)

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ-सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : कम्पनी लेखा

इकाई - 01

कम्पनी के अंशों के निर्गमन (Issue) , अपहरण (For fixture) एवं अपहरित अंशों के पुनर्निर्गमन (Re-issue) का लेखांकन
ऋण पत्र निर्गमन (Issue of Debentures) का लेखांकन अंश व ऋण-पत्रों के अभिगोपन (Under-Writing) का लेखांकन, अधिकार अंश (Right Share) के कानूनी प्रावधान एवं लेखांकन पक्ष

इकाई - 02

पूर्वाधिकार अंश (Preference Share) एवं ऋण-पत्रों का शोधन (Redemption)
व्यापार का अधिग्रहण (Acquisition of Business) समामेलन से पूर्व का लाभ (Profit Prior to incorporation) विनियोग लेखा (Investment Accounts)

इकाई - 03

भारतीय कम्पनी अधिनियम में -ह्रास (Depreciation) , संचय (Reserves) व कोष (Fund) , सम्बन्धि प्रावधान, कम्पनी के अन्तिम खातों का निर्माण लाभों का निबटारा एवं लाभों का पूंजीकरण, कम्पनी के समापन सम्बन्धि लेखें।

इकाई - 04

कम्पनियों का एकीकरण (Amalgamation) एवं पुनर्निर्माण (Reconstruction) सम्बन्धि लेखें सूत्रधारी कम्पनी (Holding Company) एवं सहायक कम्पनी का संघटित स्थिति विवरण (Consolidated Balance sheet)

बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

चतुर्थ-सत्र

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : उत्पादन प्रबन्ध

इकाई - 01

उत्पादन प्रबन्ध : अर्थ, महत्व, प्रकृति, क्षेत्र, निर्माणी पद्धतियों के प्रकार
संयत्र का स्थान निर्धारण (Plant location) : निर्णय को प्रभावित करने वाले तत्व, सिद्धान्त
संयत्र अभिविन्यास (Plant Layout) : प्रकार एवं प्रक्रिया

इकाई - 02

उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण : उद्धेश्य, महत्व, तकनीकें, पूर्वानुमान मार्ग निर्धारण (Routing) , अनुसूचियन (Scheduling) , प्रेषण (Dispatch) , अनुगमन (Follow-up) , उत्पाद नियोजन

इकाई - 03

कार्य अध्ययन (Work Study) : लागत में कमी एवं उत्पादकता संवर्द्धन हेतु पद्धति अध्ययन (Method Study) एवं कार्य मापन, प्रोजेक्ट नियोजन
किस्म नियंत्रण : सांख्यिकीय किस्म नियंत्रण का प्रयोग
सामग्री प्रबन्ध : महत्व एवं भूमिका, संगठन क्रय या निर्माण निर्णय

इकाई - 04

क्रय प्रबन्ध : अवधारणा, क्षेत्र, क्रयण के सिद्धान्त, केन्द्रीकृत एवं विकेन्द्रीकृत क्रयण, क्रय नीतियाँ, क्रय प्रक्रिया, क्रय शोध, मूल्य विश्लेषण, प्रमापीकरण भण्डारण एवं भण्डार प्रबन्ध, इन्वेन्ट्री प्रबन्ध

बी.बी.ए. तृतीय वर्ष

पंचम सत्र

1. ई-वाणिज्य
2. लागत एवं प्रबन्धकीय लेखांकन
3. व्यावसायिक कराधान
4. विक्रय कला एवं विक्रय प्रबन्ध

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

पंचम-सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : ई-वाणिज्य

इकाई - 01

वाणिज्य अवधारणा, वाणिज्य का क्षेत्र, बैंकड्रॉप (Backdrop), औद्योगिक अर्थव्यवस्था से ई-अर्थव्यवस्था में बदलाव, ई-वाणिज्य का उद्भव एवं विकास, ई-वाणिज्य के क्रियान्वयन की चुनौतियाँ, ई-वाणिज्य का भविष्य, ई-वाणिज्य वेबसाइट (E-Commerce Website)

इकाई - 02

क्रेडिट कार्ड (Credit Card), स्मार्ट कार्ड (Smart Card), साइबर नकद के कार्य का तरीका (How does cyber cash work?), ई-व्यवहार (E-transactions), सुरक्षा मशीनीकरण (Security Mechanism) एवं विधियाँ, आशंकाएँ (Treats) एवं नियंत्रण बिन्दु

इकाई - 03

इन्टरनेट (Internet) से सम्बन्ध, इन्टरनेट तकनीक अवधारणा, महत्व, कार्य पद्धति, इन्टरनेट पर उपलब्ध सुविधाएँ नेटवर्क (Net work) का वर्गीकरण

इकाई - 04

ई-मेल, ई-मेल सेवाएँ खोज ईजंन (Search Engine), विश्वव्यापी वेब कार्यक्रम, जावा कार्यक्रम (JAVA Programming) , ई-मेल की गोपनीयता, मेल साफ्टवेयर (Mail Software) , मुक्त ई-मेल साइट (Free E-Mail Site) , वेब साईट का सृजन, इन्टरनेट औज़ार (ternet tools)

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

पंचम-सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : लागत एवं प्रबन्धकीय लेखांकन

इकाई - 01

लागत लेखांकन : अर्थ, उद्धेश्य, लागत अवधारणाएँ, लागत के तत्व, ऊपरीव्यय (Overhead) के आंवटन (Allocation), अनुभाजन (Apportionment) एवं अवशोषण (Absorption)सम्बन्धि समस्याएँ

इकाई - 02

इकाई लागत निर्धारण विधि (Unit Costing Method)
जॉब एवं ठेका लागत निर्धारण विधि (Job and Contract Costing Method)
प्रक्रिया लागत निर्धारण विधि (Process Costing Method)

इकाई - 03

प्रबन्धकीय लेखांकन : अर्थ, महत्व एवं क्षेत्र ; वित्तीय लागत एवं प्रबन्धकीय लेखंकन में सम्बन्ध, फण्ड प्रवाह विश्लेषण (Fund flow Analysis), नकद प्रवाह विश्लेषण (Cash flow Analysis), वित्तीय विवरणों का निरूपण (Interpretation of Financial Statement), अनुपात विश्लेषण

इकाई - 04

सीमान्त लागत एवं सीमान्त लागत लेखांकन, सीमान्त लागत (Marginal Cost)सम्बन्धि मूल अवधारणाएँ, समविच्छेद विश्लेषण (Break-even Analysis), लाभ मात्रा विश्लेषण (Profit-Volume Analysis), निर्णयन में सीमान्त लागत लेखांकन का प्रयोग, प्रमाप लागत लेखांकन विचरणों का विश्लेषण (Analysis of Variances)

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

पंचम-सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : व्यावसायिक कराधान
(Business Taxation)

इकाई - 01

आयकर कानून : मूलभूत अवधारणाएँ, कुल आय का क्षेत्र, निवास एवं कर दायित्व, आय जो कुल आय में शामिल नहीं होती, कर वंचन, कर नियोजन, आय के विभिन्न मद, वेतन से आय

इकाई - 02

मकान सम्पत्ति से आय, व्यवसाय एवं पेशे से लाभ एवं प्राप्तियाँ, -ह्रास, पूंजीगत प्राप्तियाँ, अन्य स्त्रोतों से आय, मानी गई आय (Deemed Income), हानियों को सेट ऑफ (Set-Off) करना व आगे ले जाना

इकाई - 03

कुल आय में अन्य व्यक्तियों की आय शामिल करना, सकल कुल आय में से कटौतियाँ व्यक्ति का कर निर्धारण (Assessment of Individual) एवं कर दायित्व की गणना, संयुक्त हिन्दू परिवार का कर निर्धारण, फर्म का कर निर्धारण, कर निर्धारण प्रक्रिया (Assessment Procedure)

इकाई - 04

केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 : महत्वपूर्ण अवधारणाएँ, डीलर (Dealer), घोषित माल, व्यवसाय का स्थान, विक्रय, केन्द्रीय बिक्री कर प्रकृति एवं क्षेत्र, डीलर पंजीयन प्रक्रिया, कर की दर, कर में छूट

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

पंचम-सत्र

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : विक्रय कला एवं विक्रय प्रबन्ध

इकाई – 01

विक्रय कला : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, महत्व, विक्रय कला का उद्भव एवं विकास, प्रतिस्पर्द्धी एवं सृजनात्मक विक्रय कला, विक्रय-कर्ता के गुण, उत्पाद का ज्ञान -महत्व, उत्पाद का ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ, बाज़ार की दशाएँ एवं सरकारी नीतियों की जानकारी प्राप्त करना

इकाई – 02

उपभोक्ता क्रय प्रेरणाएँ (Buying Motives), ग्राहकों के बारे में जानकारी एवं उपभोक्ता मनाविज्ञान, विक्रय प्रक्रिया, विक्रय- कर्ताओं के प्रकार

इकाई – 03

विक्रय प्रबन्ध : प्रकृति, क्षेत्र, महत्व, प्रत्यक्ष विपणन, व्यक्तिगत विक्रय, विक्रय में कम्प्यूटर का प्रयोग, विक्रय-कर्ताओं की भर्ती व चयन, विक्रयकर्ताओं का प्रशिक्षण एवं विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, विक्रय नियोजन, विक्रय पूर्वानुमान

इकाई – 04

विक्रय संगठन : उद्धेश्य एवं प्रकार, विक्रय क्षेत्र (Sales Territory) : विक्रय क्षेत्र आवंटन, विक्रय अभ्यंश (Sales Quota): उद्धेश्य, प्रकार, विक्रय अभ्यंश निर्धारण एवं प्रशासन ; विक्रय कर्ताओं का पारिश्रमिक, विक्रेताओं की अभिप्रेरणा, विक्रय क्रियाओं पर नियंत्रण

बी.बी.ए. तृतीय वर्ष

षष्ठ सत्र

1. उद्यमिता के मूल आधार
2. बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार
3. रिटेल प्रबन्ध
4. ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

षष्ठ -सत्र

प्रथम प्रश्न-पत्र : उद्यमिता के मूल आधार

इकाई - 01

उद्यमिता : अवधारणा , प्रकृति, उद्यमिता के बदलते स्वरूप, सामाजिक-आर्थिक वातावरण का उद्यमिता पर प्रभाव, उद्यमिता की विचारधाराएँ (Theories), उद्यमिता एवं नव-प्रवर्तन (Innovation), सृजनात्मकता व उद्यमिता

इकाई - 02

उद्यमी : सफल उद्यमी के गुण, उद्यमी एवं नेतृत्व, उद्यमी एवं जोखिम उठाने की क्षमता, उद्यमी एवं व्यावसायिक नियोजन व निर्णयन, उद्यमी के सामाजिक उत्तरदायित्व

इकाई - 03

उद्यमशील कार्य का प्रवर्तन (Promotion of Venture) अवसरों का विश्लेषण, बाह्य वातावरण का विश्लेषण, प्रोजेक्ट तैयार करना (Preparation of Project), नई इकाई की स्थापना के लिए वैधानिक पूर्व आवश्यकताएँ, फण्ड का निर्माण व पूंजी स्त्रोत, पूंजी संरचना निर्णय

इकाई - 04

उद्यमशील विकास कार्यक्रम (Entrepreneurial Development Programme) : भूमिका, महत्व, आलोचनात्मक मूल्यांकन, उद्यमशील विकास कार्यक्रम में सरकार की भूमिका, उद्यमी का आर्थिक विकास, निर्यात संवर्द्धन एवं आयात प्रतिस्थापन में भूमिका

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

षष्ठ -सत्र

द्वितीय प्रश्न-पत्र : बीमा के सिद्धान्त एवं व्यवहार

इकाई - 01

बीमा : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र, उद्‌भव एवं विकास, जोखिम, बीमा के कार्य, उपादेयता, सीमाएँ, उद्योग एवं वाणिज्य के विकास में बीमा की भूमिका, बीमा व बाजी के ठहराव (Wegering Agreement) में अन्तर

इकाई - 02

बीमा के सिद्धान्त, बीमा अनुबन्ध, दोहरी बीमा (Double Insurance), पुनर्बीमा (Reinsurance), बीमा करवाने की प्रक्रिया, अभिगोपन (Underwriting), अभिगोपन प्रक्रिया, सामाजिक बीमा, ग्रामीण बीमा

इकाई - 03

जीवन बीमा : अर्थ, प्रकृति, आवश्यक तत्व, जीवन बीमा-पत्र (Policy), बीमा-पत्रों के प्रकार, जीवन बीमा-पत्रों की शर्तें, सामूहिक बीमा, बचत योजनाएँ, प्रीमियम का निर्धारण, दावों का निपटारा, बीमा एजेन्ट-कार्य, भूमिका व अधिकार

इकाई - 04

सामान्य बीमा (General Insurance) : बीमा करवाने की विधि, अग्नि बीमा : प्रकृति एवं क्षेत्र, दर निर्धारण एवं क्षेत्र, दावों का निपटारा, सामुद्रिक बीमा : प्रकृति, क्षेत्र, प्रकार, बीमा-पत्रों के प्रकार, दावों का निपटारा

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

षष्ठ -सत्र

तृतीय प्रश्न-पत्र : रिटेल प्रबन्ध

इकाई - 01

रिटेल प्रबन्ध : अर्थ, प्रकृति, महत्व, रिटेलिंग वातावरण - आर्थिक, सामाजिक, तकनीकि एवं प्रतिस्पर्धी वातावरण, रिटेलिंग का उद्‌भव एवं विकास, रिटेल भण्डार का स्थान, निर्धारण, स्थान निर्धारण सम्बन्धि रणनीतियाँ, भण्डार अभिविन्यास (Store Lay-Out)

इकाई - 02

रिटेल उपभोक्ता : उपभोक्ता क्रय व्यवहार, क्रय प्रक्रिया, उपभोक्ता व्यवहार व निर्णय को प्रभावित करने वाले तत्व, उपभोक्ता- व्यक्तिगत व सामाजिक उपागम, संदर्भ समूह प्रभाव

इकाई - 03

व्यापार नियोजन : भण्डारण एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्ध (Warehousing & Supply Chain Management), आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्ध में सूचना तकनीक का प्रयोग, व्यापारिक प्रवाह (Merchandise Flow), भौतिक वितरण प्रबन्ध, रिटेल मूल्य निर्धारण (Retail Pricing), साख प्रबन्ध कर्मचारियों को प्रशिक्षण, कर्मचारी अभिप्रेरणा, संगठनात्मक संस्कृति

इकाई - 04

रिटेल प्रारूप : निगमीय श्रृंखला (Corporate Chain), रिटेल सहकारी एवं ऐच्छिक पद्धति (Retail Co-Operative and Voluntary System), विभागीय भण्डार, बट्टा गृह, सुपर बाज़ार (Super Market), प्रत्यक्ष विपणन, दूरस्थ विपणन (Tele Marketing), ग्राहक सेवा एवं किस्म प्रबन्ध, किस्म सुधार हेतु गेप्स मॉडल (GAPS Model to improve the quality), रिटेल सेवा का मूल्यांकन

बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)

षष्ठ -सत्र

चतुर्थ प्रश्न-पत्र : ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध

इकाई - 01

ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध : अवधारणा, महत्व, प्रकार, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध रणनीतियाँ, भारतीय संस्थानों में ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध, ग्राहक बनाये रखने की रणनीति (Customer Relation Strategy)

इकाई - 02

ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध में मानव तत्व, तकनीकी आधारित ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध एवं किस्म, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध एवं ज्ञान प्रबन्ध, ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध एवं भावी प्रवृत्तियाँ

इकाई - 03

कॉल सेन्टर प्रबन्ध (Call Centre Management) : कॉल सेन्टर : एक परिचय, कॉल सेन्टर के अवसर एवं चुनौतियाँ, कॉल सेन्टर के कार्य एवं कार्य पद्धति, टीम बनाना (Team Building),

इकाई - 04

ई- ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध (E-CRM) : ई-ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध का क्रियान्वयन, सेवा क्षेत्र में ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध : बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ, पर्यटन सेवाएँ एवं चिकित्सा सेवाएँ